क्या आप “अलामोथ” हैं? तो इस बुलावे को अपनाएँ!

यह विशेष संदेश महिलाओं और लड़कियों के लिए है।

“अलामोथ” का अर्थ और महत्व

(1 इतिहास 15:19-20 के आधार पर)

1 इतिहास 15 में, राजा दाऊद परमेश्वर के वाचा के ताबूत को यरूशलेम वापस ला रहे थे। उन्होंने संगीतकारों और गायक के साथ पूजा का आयोजन बड़ी सावधानी से किया। इस संदर्भ में “अलामोथ की ध्वनि” का उल्लेख मिलता है। हिब्रू शब्द “अलामोथ” का अर्थ है “युवा स्त्रियाँ”। इसका मतलब है कि यह गाने की आवाज़ें युवा स्त्रियों की थीं।

यह दर्शाता है कि बाइबिल में पूजा समावेशी और साझा होती है। पुराने नियम में पूजा सामूहिक रूप से होती थी, जिसमें पुरुष, महिलाएँ और बच्चे सभी शामिल थे (तुलना देखें: भजन संहिता 148:12-13)। युवा स्त्रियों को गायक के रूप में शामिल करना यह बताता है कि पूजा किसी लिंग तक सीमित नहीं है; यह उन सभी के लिए है जो अपने दिये गए उपहारों के माध्यम से परमेश्वर की महिमा कर सकते हैं।

राजा दाऊद का यह आयोजन एक महत्वपूर्ण बाइबिल सिद्धांत को भी दर्शाता है: परमेश्वर पूजा में विविधता को महत्व देते हैं (1

कुरिन्थियों 12:4-7)। केवल पुरुषों की आवाज़ पर्याप्त नहीं थी; युवा स्त्रियों की अनूठी आवाज़ों ने पूजा को पूर्णता दी। यह समावेशिता परमेश्वर को प्रसन्न करती है और उनके आशीर्वाद को आमंत्रित करती है।

हम क्या सीख सकते हैं?

1. महिलाओं की पूजा में महत्वपूर्ण भूमिका है
दाऊद का यह मानना कि युवा स्त्रियों को परमेश्वर की स्तुति में भाग लेना चाहिए, यह दर्शाता है कि पूजा केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है। यह नए नियम की शिक्षाओं के अनुरूप है कि आध्यात्मिक उपहार और पूजा सभी विश्वासियों के लिए हैं, चाहे लिंग कोई भी हो (गलातियों 3:28)।

2. आपकी आवाज़ महत्वपूर्ण है
चाहे आपकी आवाज़ तेज़ हो या शांत, यह पूजा में मूल्यवान है। जैसा कि 1 पतरस 4:10 में कहा गया है:

“जैसा कि प्रत्येक ने उस अनुग्रह के अनुसार भेंट पाई है, उसी
के अनुसार एक दूसरे की सेवा करें, परमेश्वर की भक्ति में विभिन्न प्रकार के उपहारों का अच्छा उपयोग करें।”

3. पूजा एक दिव्य निमंत्रण है
परमेश्वर वही हैं – कल, आज और हमेशा (इब्रानियों 13:8)। यदि उन्होंने दाऊद की समावेशी पूजा को स्वीकार किया, तो वे आज भी हमारी पूजा को स्वीकार करते हैं – जब हम अपने परमेश्वर द्वारा दिए गए उपहारों का निष्ठापूर्वक उपयोग करते हैं।

भजन 46: अलामोथ के लिए भजन

भजन 46 को कोरह के पुत्रों ने लिखा और इसे अलामोथ – युवा स्त्रियों की आवाज़ों के लिए निर्दिष्ट किया गया। यह भजन परमेश्वर की शक्ति, सुरक्षा और संकट में उनकी उपस्थिति की घोषणा करता है।

“परमेश्वर हमारी शरण और सामर्थ्य है, संकट में सदा सहायक
है।
इसलिए हम भयभीत नहीं होंगे, भले ही पृथ्वी हिले और पहाड़ समुद्र के बीच गिर जाएँ;
भले ही उसके जल गर्जन करें और बूदें, और पहाड़ उसकी उठती लहरों से कांपें।
एक नदी है, जिसकी धाराएँ परमेश्वर के नगर को आनन्द देती हैं, जहाँ परमप्रधान ठहरते हैं।
परमेश्वर उसमें हैं, वह न डगमगाएगी; परमेश्वर उसकी सहायता सुबह ही करेंगे।

यहोवा सर्वशक्तिमान हमारे साथ है; याकूब का परमेश्वर हमारी किला है।
वह कहता है, ‘शांत हो जाओ और जानो कि मैं परमेश्वर हूँ;
मैं राष्ट्रों में महान होऊँगा, मैं पृथ्वी में महान
होऊँगा।’”
(भजन 46:1-5, 7, 10-11)

यह भजन विश्वासियों को परमेश्वर की सार्वभौमिक सत्ता पर भरोसा करने और संकट में भी शांति पाने के लिए प्रेरित करता है। “अलामोथ” इन शब्दों को गाकर विश्वास और आशा की एक शक्तिशाली गवाही देतीं।

यदि आप महिला या लड़की हैं, तो जान लें कि आपकी पूजा—आपकी आवाज़, आपकी स्तुति—परमेश्वर के सामने अनमोल और शक्तिशाली है। आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभाएँ और गीत और पूजा के माध्यम से परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करें। परमेश्वर अपने सभी बच्चों की सच्ची और हृदय से की गई स्तुति को सम्मान और आशीर्वाद देते हैं।

परमेश्वर आपको भरपूर आशीर्वाद दें जब आप अपने दिए गए उपहार के साथ उनकी स्तुति करें।

□□□□ □□ “□□□□□□” □□□? □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□!

Share on:
WhatsApp

Print this post